www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 99 | जौनपुर शनिवार, 22 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### भूख हड़ताल खत्म, प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त समिति के प्रस्ताव को माना

शिमला, (एजेंसी)। शिमला के उपनगरीय इलाके में स्थित संजौली मस्जिद लंबे समय से विवाद का केंद्र रही है, जहाँ देवभूमि संघर्ष समिति इसे तुरंत सील करने की मांग कर रही है। 2024 और 2025 के अदालती आदेशों द्वारा अवैध घोषित की गई इस मस्जिद के पूरे ढांचे को ध्वस्त करने की योजना बनाई गई है, लेकिन इस प्रक्रिया में देरी हो रही है। समिति के सदस्य अपने सदस्यों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने और मस्जिद की बिजली–पानी की आपूर्ति बंद करने की मांग को लेकर मंगलवार से संजौली पुलिस चौकी के पास चल रही भूख हड़ताल सहित जोरदार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन के तहत अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे दो लोगों ने जूस पिलाने के बाद अपना उपवास समाप्त कर दिया, जिससे उनके विरोध में एक संक्षिप्त विराम का संकेत मिला। समूह ने अपनी मांगों पर जोर देने के लिए शुक्रवार (21 नवंबर) को बड़े पैमाने पर प्रदर्शन की योजना बनाई थी और चेतावनी दी थी कि उस दिन मुसलमानों को मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पिछले शुक्रवार को हुई एक घटना के बाद विरोध प्रदर्शन और बढ़ गया जब समिति के सदस्यों ने मुसलमानों को मस्जिद के अंदर नमाज अदा करने से रोक दिया।

### उपराज्यपाल ने बढ़ाई सतर्कता, सुरक्षा एजेंसियों को कड़े निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को पुलिस आयुक्त और मुख्य सचिव को लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद कई एहतियाती और निवारक उपाय करने का आदेश दिया, जिसमें कम से कम 15 लोगों की जान चली गई। उपराज्यपाल ने प्रशासन से एक केंद्रीय डेटा संग्रह बनाने को कहा है जिसमें अस्पतालों, खासकर निजी अस्पतालों, के डॉक्टरों और पैरा–मेडिकल कर्मचारियों के रिकॉर्ड शामिल हों। जिन मामलों में लोगों ने विदेश से अपनी डिग्री प्राप्त की है, उनकी अतिरिक्त माध्यमिक पृष्ठभूमि जाँच की भी सिफारिश की गई है। उपराज्यपाल ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और वाहनों, खासकर पुराने वाहनों, की बिक्री में लगे फाइनेंसरों के साथ ष्परामर्श अभ्यासष् आयोजित करने का भी आह्वान किया है। उपराज्यपाल सचिवालय की ओर से आयुक्त और मुख्य सचिव को एक अलग लिखित पत्र में, एक निश्चित सीमा से अधिक अमोनियम नाइट्रेट खरीदने या बेचने वाले किसी भी व्यक्ति का डिजिटल रिकॉर्ड बनाए रखने कट्टरपंथी सामग्री की वैज्ञानिक ट्रैकिंग के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रमुखों के साथ परामर्श अभ्यास आयोजित करने और कट्टरपंथ की चपेट में आने वाले संवेदनशील क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी को मजबूत करने का आदेश दिया है।

# तीन दिवसीय दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना हुए पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना हो गए। नई दिल्ली से जोहान्सबर्ग रवाना हुए पीएम मोदी जी–20 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उनकी इस यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी सुधाकर दलेला ने कहा कि भारत और ग्लोबल साउथ से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को जी–20 शिखर सम्मेलन में मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेताओं की घोषणा (लीडर्स डिक्लेरेशन) में क्या शामिल होगा, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन भारत की प्राथमिकताओं को पूरा महत्व मिलेगा। यह लगातार चौथा वर्ष है जब जी–20 शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ के किसी देश में हो रहा है। दलेला ने बताया कि पहली बार यह सम्मेलन अफ्रीकी महाद्वीप पर आयोजित हो रहा है, जिससे अफ्रीका और विकासशील देशों के मुद्दों पर वैश्विक ध्यान बढ़ेगा। गौरतलब है कि 2023 में नई दिल्ली में हुए जी–20 सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता मिली थी। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ष समूह की अध्यक्षता कर रहा है और 20वां शिखर सम्मेलन जोहानसबर्ग में होगा। प्रधानमंत्री मोदी 21 से 23 नवंबर तक वहां रहेंगे। उनके कई द्विपक्षीय कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं, जिनके विवरण तय किए जा रहे हैं। दलेला ने बताया कि यह प्रधानमंत्री की दक्षिण अफ्रीका की चौथी आधिकारिक यात्रा होगी। इससे पहले वह 2016 में द्विपक्षीय यात्रा और 2018 व 2023 में ब्रिक्स सम्मेलन के लिए गए थे। दलेला कहा कि दक्षिण अफ्रीका का अध्यक्षीय वर्ष 'सॉलिडेरिटी, इक्वलिटी, सस्टेनेबिलिटी' थीम पर आधारित है। इस दौरान चार प्रमुख प्राथमिक क्षेत्रों को सामने रखा गया है,

## विपक्षी दलों के शासन वाले चार राज्यों के कम से कम 33 विधेयक राज्यपालों, राष्ट्रपति के समक्ष लंबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि अदालत राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए कोई समयसीमा तय नहीं कर सकती। इसके बाद यह जानकारी सामने आई है कि विपक्षी दलों के शासन वाले चार राज्यों में कम से कम 33 विधेयक राज्यपाल या राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए लंबित हैं। इन 33 विधेयकों में से 19 विधेयक पश्चिम बंगाल विधानसभा से पारित हैं जबकि 10 विधेयक कर्नाटक, तीन तेलंगाना और कम से कम एक विधेयक केरल विधानसभा से पारित है। उच्चतम न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि राज्य विधानसभा से पारित कम से कम 19 विधेयक अब भी राज्यपाल की स्वीकृति के लिए लंबित हैं। बनर्जी ने कहा कि जब कोई विधेयक बिना स्पष्टता के लंबित रहता है, तो उसकी अहमियत खत्म हो जाती है। कर्नाटक विधानसभा से पारित कम से कम 10 विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए लंबित हैं, जिनमें मुसलमानों को सिविल कार्यों में ठेके देने के लिए चार प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़ा विधेयक भी शामिल है। सरकारी सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के राज्यपाल के पास कोई विधेयक लंबित नहीं है। बताया जा रहा है कि तेलंगाना में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण विधेयक समेत तीन विधेयक लंबित है। कांग्रेस सरकार ने चुनावी वादा पूरा करते हुए 26 सितंबर को एक आदेश जारी किया था, जिसके तहत स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया गया।

## एक–एक घुसपैठिए को चुन–चुन कर बाहर निकालेंगे : अमित शाह

भुज, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को गुजरात के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 61वें स्थापना दिवस (रेजिंग डे) समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे। यहां बीएसएफ के जवानों को संबोधित करते हुए शाह ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उनके योगदान की तारीफ की। साथ ही नागरिकों को 12 राज्यों में मतदाता सूची में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को इसका पूरी तरह समर्थन करना चाहिए, क्योंकि यह प्रक्रिया देश और लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए अहम है। इसके जरिए हर एक घुसपैठिए को मतदाता सूची से बाहर किया जाएगा। शाह ने संबोधन में कहा, मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश में से एक–एक घुसपैठिए को चुन–चुन कर बाहर निकालेंगे। ये हमारा प्रण है। एसआईआर की प्रक्रिया देश और लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए है। केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्षी गठबंधन में शामिल पार्टियों का नाम लिए बिना कहा कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को निकालने के इस अभियान को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने बिहार चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि जनता ने इस मुद्दे पर एनडीए को बहुमत दिया है। शाह ने कहा, ष्दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दल चुनाव आयोग की मतदाता सूची को सही करने के लिए लाई गई एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रही है।

## वाराणसी के लाल डा.अखिलेश जी बनाए गए राजदूत : भारत को किया गौरवान्वितः परिवार एवं शुभ चिंतकों में खुशी की लहर

देश की उपासना ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत और विश्व के एक प्रतिष्ठित हस्ती डॉ.अखिलेश को संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ में UNWHF-EIT-EU का राजदूत नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित नियुक्ति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थायी समाधानों को बढ़ावा देने में उनके उत्कृष्ट योगदान और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के प्रति उनके समर्पण को मान्यता देती है। डॉ० अखिलेश जी ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से गौरवान्वित किया है डॉ० अखिलेश संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ के संगठन UNWHF-EIT-EU के भारत स्थित राजदूत नियुक्त किये गए है। डॉ० अखिलेश भारत के प्रथम ऐसे व्यक्ति है ,जिन्होंने इस पद को प्राप्त किया हैं। यह भारत के लिए सम्पूर्ण विश्व में गरिमा और गौरव का महत्त्वपूर्ण क्षण है।

इनकी उच्च शिक्षा बनारस हिन्दू विश्विद्यालय और विश्व स्तर की संस्थानों में शिक्षा सांख्यिकी, प्रबंधन, सिक्स सिग्मा जैसे विषयों पर प्राप्त की, एक शोधकर्ता जिनके नाम से

150 से ज्यादा खोज हैं, सफल वैज्ञानिक और अंतरराष्ट्रीय उद्योगपति बने साथ ही विश्व स्तर पर समाज सेवा कर रहे है। डॉ० अखिलेश एक शिक्षक माता पिता के सबसे बड़े बेटे है, चार भाई बहनों में। अपने कठिन परिश्रम और जुनून के बल पर डॉ० अखिलेश विश्व स्तर की ख्याति प्राप्त कर रहे है और देश को गौरान्वित किया। डॉ० अखिलेश को भारत और विश्व पटल पे बहुत से ख्याति प्राप्त हुई है, भारत का मान सम्मान इन्होंने विश्व मे बढ़ाया है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र से इन्होंने 2009 में उद्योग की नींव रखी और आज 17 साल के सफर में बहुत से उद्योगो की कई देशों में नींव रखी साथ ही इन्होंने विश्व के उद्योग जगत में परचम लहराया है।

राजदूत के रूप में, डॉ. अखिलेश अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नीतिगत चर्चाओं को आगे बढ़ाने, नवीनीकरण के क्षेत्रों को अपनाने की वकालत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनका नेतृत्व राष्ट्रों के बीच की दूरियों को पाटने, समुदायों को सशक्त बनाने और सभी के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगा। विश्व की चुनौतियों को देखना, उसका निराकरण करना, जैसे गरीबी, आतंकवाद, खाद्य पदार्थ, रोजगार, आपसी सहयोग, विश्व मे शान्ति, पर्यावरण निराकरण, उद्योग जगत, रक्षा, पशु पक्षियों की रक्षा आदि जैसे ज्वलंत मुद्दे शामिल हैं।

डॉ. अखिलेश का दृष्टिकोण स्वच्छ पर्यावरण क्षेत्रों की ओर वैश्विक परिवर्तन को गति देने के UNWHF-EIT-EU के मूलभूत उद्देश्य के अनुरूप है। उनकी विशेषज्ञता और जुनून निस्संदेह देशों के बीच परस्पर साझेदारियों को मजबूत करेगा और एक हरित, अधिक लचीली दुनिया की दिशा में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करेगा। डॉ अखिलेश जी को राजदूत बनाए जाने पर देश की उपासना समाचार पत्र परिवार की ओर से बधाई एवं शुभ कामनाएं आशा है कि ये देश का नाम और आगे बढ़ाने में अग्रसर होगें।

## न्याय नागरिक की सुरक्षा व उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत हजारों वर्षों से दुनिया को एक परिवार मानता रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया की वास्तविक समस्या एक–दूसरे के साथ डायलॉग को बाधित करना है। यह सम्मेलन एक–दूसरे के साथ डायलॉग का साधन है। कुछ समय पहले यूएन ने दुनिया के सामने 16 गोल रखे थे। उसमें शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में इस बात का ध्यान रखना होगा कि बच्चे बस्ते

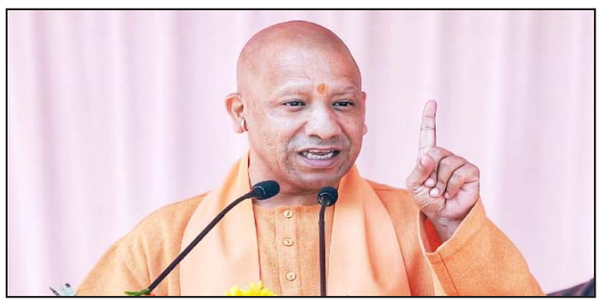

के बोझ से बोझिल न हों। दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है। जहां वर्चस्व को लेकर एक–दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर शिक्षा, विकास, स्वास्थ्य की बात अपने आप में एक बेमानी सी दिखती है। इसके लेकर हम सभी को यह सोचना चाहिए कि किस स्तर तक की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता है। हम भी उसमें सहभागी बन सकते हैं। सीएम ने आगे कहा कि हम अक्सर इस बात को देखते हैं कि जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न होने वाले संकट भी हमारे सामने एक नई चुनौती हैं। साइबर क्राइम, डाटा चोरी जैसी समस्या भी हमारे सामने खड़ी है। ऐसी स्थिति में न्याय, नैतिकता और अतंरराष्ट्रीय कानून, विश्व शांति और मानव सभ्यता के लिए एक बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यूएन ने 80 वर्ष पहले कहा था कि दुनिया को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और जवाबदेह वैश्विक प्रणाली की आवश्यकता है। इस पर आज सोचने की जरूरत है। साइबर क्राइम, अच्छे स्वास्थ्य और वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करना चाहिए।

## कांग्रेस का डीएनए भारत–विरोधी : गौरव भाटिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। पार्टी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया था कि कांग्रेस का डीएनए अब मुस्लिम–माओवादी कांग्रेस जैसा हो गया है। उन्होंने कहा कि जब भारत की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी माओवादी संगठन की तरह काम करने लगे और विदेश में अपना नेटवर्क फैलाए, तो यह बहुत चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार 2024 का आयोजन हुआ और (कांग्रेस नेता) सोनिया गांधी की मौजूदगी में यह पुरस्कार चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचेलेत को दिया गया। भाटिया ने कहा कि जैसे कांग्रेस का डीएनए भारत–विरोधी है, वैसे ही जिन्हें पुरस्कार दिया गया है, वह भी भारत की संप्रभुता पर हमला करती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मिशेल बैचेलेत ने मानवाधिकार परिषद के 42वें सत्र में कहा था कि कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और अनुच्छेद 370 में संशोधन नहीं होना चाहिए। सोनिया गांधी ने मिशेल बैचेलेत को इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया। गौरव भाटिया ने कहा कि सोनिया गांधी ने इस पुरस्कार को देकर हर भारतीय का अपमान किया है। उन्होंने यह भी कहा कि मिशेल बैचेलेत भारत की नागरिक भी नहीं हैं, फिर भी उन्होंने सीएए के खिलाफ याचिका दायर की और दावा किया कि यह कानून मानवाधिकारों को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह सब सोनिया और राहुल गांधी के इशारे पर किया गया था।

## विजय की राजनीति में वापसी, टीवीके ने सलेम रैली की अनुमति मांगी

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के नेता विजय थोड़े समय के ब्रेक के बाद राजनीति में वापसी शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए टीवीके ने 4 दिसंबर को टीएन के सलेम में रैली के लिए अनुमति मांगी है। इसके बाद के हफ्तों में टीवीके ने अपने आंतरिक रीस्ट्रक्चरिंग को तेज कर दिया। हाल ही में ममल्लापुरम में एक निजी जगह पर विजय की अध्यक्षता में पार्टी की एक स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग बुलाई गई थी। खबर के मुताबिक, बैठक में ऑर्गनाइजेशनल जिम्मेदारियों को आसान बनाने, जिला यूनिट्स को मजबूत करने और पार्टी को राज्य भर में आउटरीच के अगले फेज के लिए तैयार करने पर फोकस किया गया। टीवीके स्टेट एग्जीक्यूटिव कमेटी ने सलेम म्युनिसिपल पुलिस कमिश्नर प्रवीण कुमार अभिनपु को एक फॉर्मल पिटीशन दी है। इसमें 4 दिसंबर को शहर में एक पब्लिक मीटिंग करने की परमिशन मांगी गई है। पिटीशन में कहा गया है कि पार्टी तीन संभावित जगहों किला मैदान, बोस मैदान या शीलनायकनपट्टी का खुला मैदान में से किसी एक के लिए मंजूरी मांग रही है। टीवीके ने इवेंट के लिए बेहतर सुरक्षा सिक्योरिटी इंतजाम और पुलिस मदद के लिए अनुरोध किया है। पार्टी के अंदर के लोगों ने इशारा किया है कि विजय अपने नए कैंपेन प्लान के तहत हर हफ्ते दो जिलों का दौरा करने का प्लान बना रहे हैं।

## सरकार के फैसले की वजह से व्यापारियों पर संकट आया : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। अखिलेश यादव ने लखनऊ में भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में लोग खुलकर कारोबार नहीं कर पा रहे हैं। इनकी नीति है कि लोगों को इतना डरा दो कि वो अपनी बात न कह सकें। क्या ये कोई सरकार करती है। अरे, सबको अपनी बात कहने का हक है। सरकार की नजर अब दालमंडी पर है। एक दुकान बनाने में जमाने लग जाते हैं ये लोग पल भर में इसे तोड़ना चाहते हैं। भाजपा की बहुत संकीर्ण सोच हैं। ये साजिश कर रही है। ये चौड़ीकरण के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। इनती सोच बहुत नकरात्मक है। किसी की जीविका छीनने का इनको अधिकारी कैसे मिल गया। ये लोग अधिकारियों के जरिए दबाव बनाते हैं। अखिलेश यादव ने कहा, दौली के सांसद और दाल मंडी के व्यापारी आए हैं। सरकार के फैसले की

वजह से व्यापारियों पर संकट आया है। ये पॉलिटिकल डिमोलिशन है। क्योंकि वो वहां से चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं। बीजेपी ने वाराणसी को क्योटो बनाने का दावा किया था। लोगों को परेशान कैसे किया जाए। इस पर काम हो रहा है। पॉलिटिकल प्रोजेक्ट के लिए डिवाइड एंड रूल की नीति अपना रही है। सरकार को ऐसे शहरों का दौरा करना चाहिए। दाल मंडी वाले दुकानदारों को दरें नहीं। दुकान तो दे देंगे, ग्राहक कहां से देंगे। बीजेपी की सोच संकीर्ण है, वो चौड़ीकरण कैसे कर रहे हैं। ये नकारात्मक सोच वाले हैं। बीजेपी अधिकारियों के माध्यम से डरना, धमकाना चाहते हैं। मॉल बेच दिया। ये बेचने वाले लोग हैं। वरुणा का रिवरफ्रंट रोक दिया। आज मेट्रो जितनी चल रही हैं, वो सपा की देन है। वाराणसी की मेट्रो का डीपीआर हमने तैयार किया था। वाराणसी के मेट्रो को बीजेपी ने रोका है। अकबरनगर लखनऊ में डिमोलिशन कर दिया। अपनी जगह के लिए मनचाहा मुआवजा लिया। कई साल आगे या कई हजार साल पीछे की बात करते है। वो समय आएगा, जब अधिकारियों से वसूला जाएगा। जनता को दुख देंगे, तो चुनाव हारेंगे। नाले पर रिवरफ्रंट बना रहे हैं। दालमंडी में नहीं जीतती है, इसलिए डिमोलिशन किया जा रहा है। सरकार जाने वाली है। मेरठ के व्यापारियों को बीजेपी ने रिटर्न गिफ्ट दिया है। सपा इनको हराने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2024 में चुनाव आयोग भी उनके साथ था। अयोध्या की जनता ने बीजेपी को हराया। अब तक की सबसे करप्ट सरकार है। सिरप वाले सब पकड़े जाएंगे। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था कि भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून–व्यवस्था बर्बाद हो गई है। अपराधी खुलेआम हत्याएं कर रहे हैं। लूट और अपहरण की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

# संपादकीय

## जहरीली हुई हवा पर सरकार बेफिक्री

संभवत सरकार की निगाह में उससे असहमत या उसकी नाकामियों पर बात करने वाली हर आवाज अवैध है, इसलिए प्रदूषण पर बेफिक्री के खिलाफ इंडिया गेट पर जुटे महिलाओं और बुजुर्गों तक को पुलिस जबरन अपनी बसों में ले गई। दिल्ली में जहरीली हुई हवा पर सरकारी बेफिक्री के खिलाफ नई दिल्ली में इंडिया गेट के पास इकत्रा हुए नागरिकों से पुलिस ने वैसा ही सलूक किया, जैसा इस दौर में किसी भी विरोध प्रदर्शन के साथ किया जाता है। संभवतरू भारत सरकार की निगाह में उससे असहमत या उसकी नाकामियों पर बात करने वाली हर आवाज अवैध है, इसलिए इंडिया गेट पर जुटे महिलाओं और बुजुर्गों तक को पुलिस जबरन अपनी बसों में ले गई। दूर बवाना ले जाकर उन्हें छोड़ा गया। आयोजकों से यह लिखित वादा भी लिया गया कि समन पर वे मजिस्ट्रेट के सामने हाजिर होंगे। विरोध जताने आए नागरिकों की कोई राजनीतिक मांग नहीं थी। वे सिर्फ यह पूछ रहे थे कि उन्हें और उनके बच्चों को साफ हवा में सांस लेने का हक भी नहीं है? दिल्ली में आज यह आम धारणा है कि सरकार ने इस वर्ष इस सीजन में प्रदूषण का असली स्तर छिपाने की कोशिश की है। इस सूचना पर सुप्रीम कोर्ट भी जवाब– तलब कर चुका है कि वायु गुणवत्ता की जांच करने वाले 37 में से 28 केंद्र दिवाली के दिन बंद थे। फिर इल्जाम हैं कि जहां ये प्रदूषण की माप करने वाली मशीनें लगी हैं, वहां दिल्ली सरकार ने जानबूझ कर जल छिड़काव कराया, ताकि प्रदूषण की मात्रा कम दर्ज हो। इन बातों ने नागरिकों में व्यग्रता पैदा की है। उनमें इसको लेकर भी आक्रोश है कि हवा के लगातार जहरीली बनी होने के बावजूद दिल्ली या केंद्र सरकार के स्तर पर कोई हरकत नहीं दिखी है। अरविंद केजरीवाल सरकार के समय कम–से–कम ऑड–इवन जैसी योजनाओं की चर्चा होती थी। चूंकि तब भाजपा दिल्ली में विपक्ष में थी, तो उसके प्रभाव से मेनस्ट्रीम मीडिया में भी यह मुद्दा गरमाया रहता था। लेकिन इस बार संकेत देने की कोशिश हुई है कि सब कुछ ठीक है! इसीलिए अपनी मुसीबत बताने की पहल नागरिकों को अपने हाथ में लेनी पड़ी। लेकिन अगर उन्होंने यह सोचा होगा कि लोकतंत्र में उनकी बात सर्वोपरि समझी जाएगी, तो इंडिया गेट से पुलिस बस में बवाना जाते हुए पर उनका ये भ्रम टूट गया होगा!

# बिहार विधानसभा चुनाव दे रहे हैं कुछ संकेत

प्रह्लाद

हाल ही में सम्पन्न हुए बिहार राज्य की विधान सभा के चुनाव परिणाम आ गए हैं एवं भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। कुल 243 विधायकों में से एनडीए गठबंधन के 202 प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधायक बन गए हैं। विधान सभा स्तर के किसी भी चुनाव में सामान्यतः राज्य स्तर की स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर ही राज्य के नागरिक अपना वोट देते हैं। परंतु, हाल ही के समय में कई राज्यों के चुनावों में स्थानीय नागरिकों के बीच यह प्रवृत्ति घर करती जा रही है कि जो राष्ट्रीय अथवा स्थानीय दल उन्हें मुफ्त की आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत कर रिझाने का प्रयास करता है, उस दल को उस राज्य में अधिक सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है। इस प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत दिल्ली राज्य में वर्ष 2013 में सम्पन्न हुए राज्य विधानसभा के चुनावों में, केवल एक वर्ष पूर्व गठित नए दल, आम आदमी पार्टी के इस विधान सभा चुनाव में 28 सीटों की जीत पर दिखाई दिया था। उस समय आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के समर्थन से अपनी सरकार बनाई थी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली निवासियों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का वायदा इन चुनावों के दौरान किया था, जिसे बाद में पूरा भी किया गया था। इसके बाद तो दिल्ली विधान सभा चुनाव में वर्ष 2025 तक आम आदमी पार्टी का ही लगभग पूर्ण कब्जा रहा, क्योंकि मुफ्त में प्रदान की जाने वाली इसी प्रकार की कुछ और घोषणाओं को भी आम आदमी पार्टी समय समय पर लागू करती रही और दिल्ली के पढ़े लिखे नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रही। हालांकि, इस बीच दिल्ली की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती रही और दिल्ली का "बचत का बजट" – "घाटे के बजट" में परिवर्तित हो गया था। इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई। बाद में जब पुरानी पेंशन योजना को हिमाचल प्रदेश में लागू किया गया तो हिमाचल प्रदेश के पहिले से ही दबाव में चल रहे बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ा एवं राज्य की आर्थिक स्थिति लगभग पूर्णतरू डावांडोल हो गई है एवं राज्य को अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान करने एवं राज्य के सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है। इसी चलन को कायम रखते हुए हाल ही में सम्पन्न बिहार राज्य में भी विधान सभा चुनाव के समय श्री नीतीश कुमार की राज्य सरकार ने राज्य की 1.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपए की राशि सीधे जमा करवाई है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की घोषणा 29 अगस्त 2025 को की गई थी एवं केवल एक माह के अंदर इस योजना को लागू कर दिया गया तथा राज्य की महिलाओं के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित कर दी गई। हालांकि, राज्य में लागू की गई इस योजना को महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी पहल के रूप में देखा गया क्योंकि राज्य सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित करना था। ऐसा बताया गया है कि राज्य की कुछ महिलाओं ने इस राशि से अपनी छोटी छोटी उत्पादन इकाईयों को प्रारम्भ करने में सफलता पाई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बिहार सरकार उन महिलाओं को रुपए 2 लाख तक की सहायता राशि उपलब्ध कराएगी जिनका व्यवसाय सफल रहेगा, इस छोटे निवेश से पूरा परिवार लाभान्वित होगा। बिहार राज्य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीदियां स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं। आज देश के सबसे बड़े राज्यों में बिहार राज्य में गरीब वर्ग के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं बिहार राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से सबसे अधिक पलायन करते हुए दिखाई देते हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य की भी लगभग यही स्थिति थी, परंतु, हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य में रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित हुए हैं जिससे इस राज्य में नागरिकों का रोजगार के लिए पलायन रुका है। यदि बिहार राज्य भी अपने नागरिकों का पलायन रोकने में सफल रहता है एवं अपने राज्य के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में सफलता प्राप्त करता है तो यह देश के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगा। परंतु, लाख टके का प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार की आर्थिक स्थिति उक्त प्रकार की योजनाओं को चलाने की स्थिति में है? इसी प्रकार, मध्य प्रदेश राज्य भी लाड़ली बहिना योजना को लागू कर चुका है एवं इसी तर्ज पर हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, आदि राज्यों में भी नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं प्रारम्भ की गई। तमिलनाडु में तो मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने का पुराना इतिहास रहा है। कुछ राज्यों में तो टीवी, लैपटॉप, स्कूटी, साइकल, आदि जैसे महंगे उत्पाद भी चुनावों के समस्त राज्य के नागरिकों को मुफ्त में उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों द्वारा यदि चुनाव जीतने के लिए राज्य के नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का क्रम यदि जारी रहता है तो यह प्रचलन इन राज्यों एवं देश के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015–16 से वर्ष 2022–23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं। अब यदि चुनाव जीतने के लिए विभिन्न राज्य सरकारें क्या इसी तरह की योजनाओं को लागू करती रहेंगी। यदि हां, तो इन राज्यों को अपने दिवालिया होने के लिए बहुत लम्बा इन्तजार नहीं करना होगा। क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विशेष रूप से पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यदि समय पर इन राज्यों के आर्थिक ढांचे को सुधारने के प्रयास नहीं किया गए तो यह राज्य दिवालिया होने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा सहायता की राशि उपलब्ध कराकर कई राज्यों की वित्तीय कठिनाईयों को हल करने का प्रयास किया जाता है परंतु, केंद्र सरकार भी लम्बे समय तक यह कार्य नहीं कर सकती है क्योंकि अंततः इससे केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी दबाव बनता है। विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समस्त परिवारों को 300ध्400 यूनिट बिजली मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं। यदि राज्य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंततः उस प्रदेश की जनता को ही भुगतना पड़ता है।

## महिला विकास उद्देश्य या वोट पाना

अरविन्द

नीतीश कुमार की ज्यादा चर्चित मुख्यमंत्री साइकिल और वर्दी योजना हुई और इसे क्रांति जैसा माना गया। फिर उन्होंने पंचायतों में महिलाओं को पचास फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया जिससे बिहार के पंचायतों में औरत प्रमुखों का अनुपात पचास फीसदी से ज्यादा हो गया। और फिर इसी क्रम में उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में महिलाओं से किया यह वायदा भी पूरा कर दिया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी रहेगी। चुनाव घोषणा से ठीक पहले बिहार की डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में दस–दस हजार रुपए भेजने को इस बार के अपूर्व जनादेश का बड़ा कारण माना जा रहा है। ऐसा फैसला करने वाले भी यही मानकर इस योजना को ले ये और बाद में यह सफाई भी दी गई कि यह धन वापस नहीं करना और अगर इससे शुरू हुआ धंधा ठीक लगा तो दो लाख रुपए तक की राशि और उपलब्ध कराई जाएगी। विपक्ष इसे सीधे–सीधे मतदाताओं को घूस देना बता रहा है और संभवतरू की दर्जन मामले अदालतों में पहुंच भी चुके है। जब विपक्षी महागठबंधन को इस कदम के असर का अंदाजा होना शुरू हुआ तो तेजस्वी यादव ने अपनी सरकार बनाने पर अगले 14 जनवरी को हर महिला के खाते में तीस–तीस हजार अर्थात महिला सम्मान राशि को बढ़ाकर ढाई हजार करने और साल भर का पैसा एक साथ देने की घोषणा की। उन्होंने हर परिवार में एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने जैसा असंभव वायदा भी किया पर कोई फायदा नहीं हुआ। नीतीश सरकार ने ऐसी तत्काल लाभकारी दर्जन भर योजनाओं में राशि बढ़ाकर पहले से ही एक ज्यादा बड़ी जमीन तैयार कर ली थी। बल्कि कई लोग इसे नीतीश कुमार के राजनैतिक स्वभाव से अलग मानते हुए इसके लिए मोदी और शाह अर्थात भाजपा को श्रेय देते हैं। वैसे भी डबल इंजन की सरकार चल ही रही है। अब भले इस बदलाव का श्रेय अकेले नरेंद्र मोदी और भाजपा को न दिया जाए लेकिन श्डायरेक्ट बेनीफिट्य योजनाओं का चलन ब्राजील और अर्जेन्टीना के देखादेखी सारी दुनिया में बढ़ा है और अपने यहां यूपीए सरकार के समय ही इसकी शुरुआत हुई। पहले वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन जैसी योजनाएं आई और फिर अचानक सबको बहनोंध्माताओं से प्यार उमड़ा। मध्य प्रदेश इस मामले में आगे हुआ और उसके मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तो खुद को मामा कहलाकर खुश होने वाले संभवतरू पहले नेता होंगे। धीरे–धीरे हर राज्य के चुनाव में महिलाओं को सीधे नकद देने वाली योजनाओं और वायदों की लाइन लग गई। बल्कि स्थिति यह हो गई कि कई जगह सरकार बन जाने पर भी वायदे पूरे करने में दिक्कत होने लगी क्योंकि वित्तीय संसाधन जवाब देने लगे। महाराष्ट्र का उदाहरण सबसे बड़ा है जबकि कर्नाटक में भी कुछ समय तक ऐसा हुआ था। निस्संदेह ग्रामीण और गरीब महिलाओं के खाते में धन देना काफी लाभदायक रहा है–चुनाव की दृष्टि से भी। यह सवाल बड़ा है कि महिलाओं की यह स्थिति बनी कैसे? इसके लिए जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारण हैं उनके दुरुस्त करने में नेताओं, पार्टियों और सरकारों की रुचि क्यों नहीं है। ईश्वरचंद विद्यासागर, गांधी, लोहिया और जयप्रकाश सरीखे नेताओं में औरतों की स्थिति बदलने में सफलता पाई जबकि उनके पास न सत्ता थी न संसाधन! इस चुनाव में एनडीए को अपूर्व जीत दिलाने वाले नीतीश कुमार के भक्त मानते हैं कि यह दस हजारी योजना या चुनाव पूर्व की रेवड़ियों में उनकी बहुत आस्था हो न हो गांधी, लोहिया और जयप्रकाश के विचारों और कार्यक्रमों में उनकी बहुत आस्था है। इसी के चलते उन्होंने 2005 में सत्ता हाथ में आने के बाद से ही लड़कियों और औरतों के लिए एक पर एक बड़े कार्यक्रम शुरू किए थे। इसलिए उनको सिर्फ इस बार के चुनाव जिताऊ और एक हद तक अनीतिक फैसलों से नहीं जोड़ना चाहिए। जब वे सत्ता में आये थे तब बिहार में स्कूल से बाहर रह गए बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा थी। सत्ता में आते ही उन्होंने मदन मोहन झा जैसे जुनूनी अधिकारी और शांता सिन्हा के एनजीओ की सहायता से जो बिहार शिक्षा परियोजना शुरू की, उसमें हर टोले में जगजगी केंद्र के माध्यम से लड़कियों को पढ़ाना शुरू हुआ। और फिर स्कूलों में दाखिले का अभियान चला जिस क्रम में बिहार में निरक्षरों की संख्या तो लगभग समाप्त हो गई और स्कूली बच्चों की संख्या पौने तीन करोड़ तक पहुंच गई। दोपहर का भोजन योजना चलाने में भी दिक्कत आई पर अंततरू यह सब बच्चों को खाना देने और करीब दो लाख ग्रामीण महिलाओं को रसोइया का काम दिलाने वाला साबित हुआ। नीतीश कुमार की ज्यादा चर्चित मुख्यमंत्री साइकिल और वर्दी योजना हुई और इसे क्रांति जैसा माना गया। फिर उन्होंने पंचायतों में महिलाओं को पचास फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया जिससे बिहार के पंचायतों में औरत प्रमुखों का अनुपात पचास फीसदी से ज्यादा हो गया। और फिर इसी क्रम में उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में महिलाओं से किया यह वायदा भी पूरा कर दिया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी रहेगी। तभी महिलाओं की चुनावी भागीदारी बढ़ने लगी और पहली बार वोट देने वाली महिलाऑ का अनुपात पुरुषों से ऊपर हुआ।

# राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा नहीं की है। राष्ट्रीय जनता दल ने समीक्षा बैठक बुलाई तो उसमें समीक्षा कुछ नहीं हुई, तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुना गया। उधर कांग्रेस ने चुनाव नतीजों की समीक्षा की बजाय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई। कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में इस बैठक के लिए राहुल गांधी के पहुंचने की वीडियो कांग्रेस इकोसिस्टम ने सोशल मीडिया में खूब शेयर किया, जिसका कैप्शन था कि, श्तूफान आ रहा है, एसआईआर की सबसे बड़ी बैठक के लिए पहुंचे राहुलय। वैसे भी राहुल गांधी को आंधी, तूफान, चट्टान और पता नहीं क्या क्या बताने का बड़ा सुनियोजित अभियान सोशल मीडिया में चल रहा है। बहरहाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में एसआईआर पर बैठक हुई, जिसमें दिसंबर के पहले हफ्ते में श्वोट चोरीश्य पर दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली करने का फैसला हुआ। सोचें, राजनीतिक विमर्श की बजाय घूम फिर कर मामला श्वोट चोरीश्य पर पहुंच गया। ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम है। पहले उन्होंने श्चौकीदार चोर हैश्य का नारा लगाया था। उसके बाद उन्होंने श्सारे मोदी चोर होते हैंश्य की बात कही। फिर व्यापारी चोर हैं का नारा लगाया और अब चुनाव आयोग चोर है, जो श्वोट चोरीश्य करा रहा है की बात कर रहे हैं। अभी तक चोरी के उनके आरोपों का कोई लाभ कांग्रेस को या उसकी सहयोगी पार्टियों को नहीं हुआ है। फिर भी श्वोट चोरीश्य का मुद्दा राहुल गांधी के समूचे राजनीतिक विमर्श का केंद्रीय मुद्दा है। असल में कांग्रेस पार्टी की लगातार हार की समीक्षा करने पर राहुल गांधी को सबसे आसान कारण श्वोट चोरीश्य का समझ में आ रहा है। इसलिए वे इसी पर अड़े हैं। लेकिन यह बिल्ली को देख कर कबूतर के आंख बंद कर लेने वाली एप्रोच है। इस बात को राहुल गांधी और उनकी टीम नहीं समझ पा रही है। यह साधारण सी राजनीतिक बात पता नहीं क्यों कांग्रेस नेताओं को नहीं समझ में आ रही है कि वे अगर मेहनत करते, ईमानदारी से गठबंधन बनाते, राजनीतिक व सामाजिक वास्तविकताओं को ध्यान में रख कर सीटों व टिकटों का बंटवारा करते, प्रचार में दम लगाते और उसके बाद हारते तो वोट चोरी के आरोपों पर लोगों को यकीन भी होता। लेकिन अगर पहले दिन से यह मैसेज हो कि कांग्रेस या उसके गठबंधन सहयोगी अच्छे तरीके से नहीं लड़ रहे हैं तो फिर श्वोट चोरीश्य के आरोपों पर कोई कैसे भरोसा करेगा? ध्यान रहे अच्छे से लड़ना चुनाव जीतने की गारंटी नहीं है लेकिन अच्छे से लड़ कर हारने पर लोगों की सहानुभूति मिलती है और समर्थन बढ़ता है। कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही है। बिहार का चुनाव ताजा मिसाल है। बिहार में कांग्रेस पहले दिन से अपने ही गठबंधन का खेल बिगाड़ने में लगी रही। उसने ऐन चुनाव से पहले तमाम जनाधार वाले नेताओं को हटा दिया और कांग्रेस में नौकरी करने वाले नेताओं को गठबंधन संभालने और चुनाव लड़ाने के काम में लगाया। तेजस्वी को रोकने के लिए सारे प्रयास किए तो लेफ्ट को उसका लेनिनग्राद कहे जाने वाले बेगूसराय में खत्म करने के लिए राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा दोनों ने पूरी मेहनत की। बदले में लेफ्ट ने भी कांग्रेस की जीती हुई सीटों पर अपने उम्मीदवार देकर उसको हरवाया। राहुल ने बिना मतलब एसआईआर के मुद्दे पर 16 दिन बिहार में यात्रा की और उसके बाद 57 दिन तक बिहार का रुख नहीं किया। वैसे भी बिहार चुनाव को लेकर कोई भ्रम कभी नहीं था। इस बार पहले दिन से कोई मुकाबला नहीं था। यह चुनाव 2010 की तरह पहले दिन से दिख रहा था। 2010 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और एसवाई कुरैशी मुख्य चुनाव आयुक्त थे तो बिहार में जनता दल यू और भाजपा गठबंधन को 206 सीटें आई थीं। उस समय लालू प्रसाद और रामविलास पासवान एक साथ लड़े थे और कांग्रेस अलग लड़ी थी। उस चुनाव में एनडीए को 39 फीसदी वोट मिला था। उसके बाद मोटे तौर पर हर चुनाव में उसका वोट इतना ही रहा। इस बार उसमें चिराग पासवान की वजह से नया वोट जुड़ा, जो चुनाव के पहले से जुड़ता दिख रहा था। सवाल है कि 2010 में 206 सीट मिलने पर कोई सवाल नहीं उठाने वाली कांग्रेस एक ज्यादा बड़े गठबंधन को 202 सीट मिलने पर श्वोट चोरीश्य के आरोप क्यों लगा रही है? इस तर्क के जवाब में ज्यादा समझदार लोग कहते हैं कि यह मामला इतना सरल नहीं है। लेकिन इसकी जटिलता भी कोई नहीं समझा रहा है। कोई भी व्यक्ति यह नहीं समझा रहा है कि एसआईआर से श्वोट चोरीश्य कैसे हुई है? अपनी हाइड्रोजन बम वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने बिहार के जमुई जिले के पांच लोगों को मंच पर बुलाया कि उनका नाम मतदाता सूची से कट गया है। सवाल है कि जब अंतिम मतदाता सूची जारी हुई और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से उसको हर बूथ के हिसाब से वार्ड पार्षद के पास, प्रखंड में और चुनाव कार्यालय में उपलब्ध कराया गया और कहा गया कि अधिसूचना जारी होने तक लोग अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं तो इन लोगों ने आवेदन क्यों नहीं किया? कांग्रेस या राजद के बूथ लेवल एजेंट्स ने इनके नाम जुड़वाने के लिए क्या कोई पहल की थी? यह नहीं बताया गया। हकीकत यह है कि अंतिम मतदाता सूची आने के बाद एक भी आपत्ति चुनाव आयोग को नहीं मिली। उसके बाद यह पहली बार हुआ कि बिहार के एक भी मतदान केंद्र पर रिपोलिंग नहीं हुई। मतदान केंद्रों पर किसी पार्टी के किसी पोलिंग एजेंट ने बोगस वोटिंग की शिकायत नहीं की। इसके बाद भी राहुल गांधी कह रहे हैं कि वोट चोरी के खिलाफ रैली करेंगे! असल में एसआईआर के खिलाफ यात्रा या श्वोट चोरीश्य के खिलाफ रैली से राहुल गांधी कांग्रेस की कमजोरियां छिपा रहे हैं। कम से कम एसआईआर कोई चुनावी मुद्दा नहीं है और न एसआईआर के जरिए श्वोट चोरीश्य हो रही है। उलटे एसआईआर के जरिए श्वोट चोरीश्य का रास्ता बंद हो रहा है।

# 360 डिग्री कैसे पलटे ट्रंप भारत आया अमेरिकी हथियारों का जखीरा

अभिनय

भारत और अमेरिका के रिश्ते सुधर रहे हैं। भले ही धीरे–धीरे सुधार रहे हैं लेकिन अब जो गाड़ी है वो पटरी पर लौट रही है। सबसे पहले भारत अमेरिका से तेल खरीदना शुरू करता है। दूसरे नंबर पर रूस से तेल की खरीद कम करता है। खत्म नहीं करता है, बल्कि कम करता है। उसके बाद भारत बड़ी एलपीजी की डील अमेरिका के साथ करता है। अपनी जरूरत का 10: हिस्सा अब भारत अगले महीने से अमेरिका से खरीदेगा। उसके बाद सैन्य लेवल पर भी भारत जो है एक डील करता है। ये सारी चीजें चल ही रही होती हैं कि खबर आती है कि दिसंबर के आखिर तक भारत की और अमेरिका की जो ट्रेड डील है वो लगभगल लगभग पूरी तरीके से फाइनल हो जाएगी और दोनों देशों ने जो एक सपना देखा था कि 2030 तक +500 बिलियन डॉलर का व्यापार पहुंचाएंगे। द्विपक्षीय व्यापार होगा उस तरफ चीजें आगे बढ़ने वाली हैं। दरअसल, भारत अमेरिका ने एक साथ आकर एक बड़ा खेल कर डाला है। भारत अमेरिका के नए एक्शन से पाकिस्तान और चीन दोनों के होश उड़ चुके हैं। पाकिस्तान पहले ही भारत से डरा हुआ है। हर पल उसे यही डर सोने नहीं दे रहा कि कब भारत पहले की तरह रात में सूरज उगा दे और उसी टेंशन को और भी ज्यादा बढ़ाने का काम कर दिया है। अब अमेरिका से सामने आई इस चिट्ठी ने। दरअसल पाकिस्तान को तगड़ा झटका अब अमेरिका ने दे दिया। जिसकी गोद में वो बैठने के ख्वाब हर दिन हर रात देख रहा था। उसी पाकिस्तान को अब भारत के साथ मिलकर जमीन में गाड़ने का काम अमेरिका ने कर दिया। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 9.3 करोड़ डॉलर के हथियार की बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि अमेरिका ने भारत को दुनिया की सबसे घातक एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम में से एक जैवलिन मिसाइल देने का ऐलान कर दिया है जो कि पाकिस्तान के टैंकों के लिए काल है। भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है। अमेरिका ने भारत को 818.4 करोड़ रुपए (93 मिलियन डॉलर) कीमत के एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी–टैंक मिसाइल सिस्टम बेचने की मंजूरी दे दी है। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और इसके उपकरणों की कीमत 414.48 करोड़ और जैवलिन मिसाइल सिस्टम और उपकरणों की कीमत करीब 402.16 करोड़ रुपए है। रूस से तेल खरीद की पैनल्टी के रूप में भारत पर लगाए गए 50: टैरिफ के बाद ये भारत की अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद होगी। अमेरिका ने कहा है कि इस बिक्री से श्बड़े डिफेंस पार्टनरश की सुरक्षा में सुधार होगा, जो दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और शांति के लिए महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी ने अमेरिकी संसद को बताया है कि भारत ने 216 एक्सकैलिबर टैक्टिकल प्रोजेक्टाइल और 100 एफजीएम–148 जैवलिन राउंड, एक जैवलिन एफजीएम –148 मिसाइल, फ्लाई–टू–बाय और 25 जैवलिन लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट्स या जैवलिन ब्लॉक 1 कांड लॉन्च यूनिट्स खरीदने की इच्छा जताई है। भारत को इन हथियारों और डिफेंस सिस्टम को सेना में शामिल करने में कोई मुश्किल नहीं होगी। साथ ही इन रक्षा उपकरणों और सपोर्ट सिस्टम की बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा। बता दें कि भारत और अमेरिका ने हाल ही में 10 साल के लिए डिफेंस पार्टनरशिप डील के विभिन्न मुद्दों पर समझौता किया है। जैवलिन दुनिया की सबसे अडवांस पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल है। इसे फायर एंड फॉर गेट मिसाइल कहा जाता है, यानी फायर करने के बाद सैनिक को टारगेट पर निशाना बनाए रखने की जरूरत नहीं पड़ती। यह खुद लक्ष्य ढूंढकर मार गिराती है। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ मिसाइल का इस्तेमाल रूसी टैको को नष्ट करने के लिए किया है। यह पोर्टेबल, कंधे से लॉन्च किया जाने वाला हथियार है। ये टैंक, बख्तरबंद गाड़ियों और किलेबंद जगहों को नष्ट कर सकता है। यह फायर–एंड–फॉरगेट गाइडेंस सिस्टम का इस्तेमाल करता है। सैनिक फायरिंग के तुरंत बाद सुरक्षित जगह पर जा सकता है क्योंकि मिसाइल इंफ्रारेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर खुद को गाइड करती है। इसे ले जाना आसान है, इसे दो सैनिक चला सकते हैं। यूक्रेन में सैकड़ों रूसी टैंक नष्ट किए। एलओसी और एलएसी के पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अहम है। इसका टॉप–अटैक मोड बख्तरबंद वाहनों और बंकरों के खिलाफ बेहद कारगर है। यह जीपीएस–गाइडेड आर्टिलरी शेल है, जिसे होवित्जर जैसी बड़ी तोपों से फायर किया जाता है। पारंपरिक शेल के विपरीत, यह लंबी दूरी पर भी 2 मीटर से कम की सटीकता से निशाना लगा सकता है। एक एक्सकैलिबर राउंड 10–50 पारंपरिक राउंड के बराबर होता है। इससे गोला–बारूद बचता है। भारत पहले से एम 777 अल्ट्रा–लाइट हॉवित्जर के साथ एक्सकैलिबर का उपयोग कर रहा है, जो लद्दाख जैसे उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में त्वरित तैनाती के लिए आदर्श हैं। अमेरिका से ताजा एक्सकैलिबर आर्टिलरी शेल खरीद से भारत की सटीकता के साथ हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। यूक्रेनी सैनिकों ने इनसे रूस के T72, T19 जैसे मजबूत टैंकों को सैकड़ों की संख्या में उड़ा दिया। यह मिसाइल इतनी प्रभावी रही कि इसे टैंक किलर भी कहा जाने लगा। रूसी टैंक ऊपर से हमला करने का मुकाबला नहीं कर पाते। यही वजह है कि पूरी दुनिया में इस मिसाइल की तारीफ जमकर हो रही है। भारत के पास इस मिसाइल के आने से यह चीन और पाकिस्तान की सीमा पर काम आएगी। पहाड़ी इलाके जैसे कि लद्दाख में यह टैंक रोकने के लिए काफी उपयोगी होगी। पैदल सैनिकों को मजबूत बनाएगी और अब दुश्मन के टैंक आने पर डरने की जरूरत नहीं होगी। पाकिस्तान के पास भी चीनी टैंक है। इसलिए यह मिसाइल पाकिस्तान के खिलाफ भी काफी असरदार होगी। चीनी टैंकों की क्षमता पर पहले से ही सवाल रहे हैं। ऐसे में जमीनी लड़ाई के दौरान भी इस मिसाइल से भारतीय सेना पाकिस्तान के चीनी टैंकों का कब्रगाह बना सकती है।

# नन्हे सितारों से चमका मंच, मिला सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। बच्चे किसी भी समाज की सबसे निर्मल रोशनी होते हैं। उनकी मुस्कान, उनकी ऊर्जा और उनका जज्बा हर अंधेरे को मिटाने की क्षमता रखता है। इसी उजली ताकत का शानदार नजारा तब देखने को मिला जब बाल गृहों के बच्चों ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता 'तरंग' में अपनी रचनात्मकता की रोशनी बिखेरी और हर किसी का मन मोह लिया। दस दिवसीय जिलास्तरीय बाल प्रतियोगिता के समापन पर गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में बृहस्पतिवार को आयोजित इस भव्य सम्मान समारोह में बच्चों के संघर्ष, कला और उमंग को सलाम किया गया। महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बच्चों की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि हर बच्चा एक चमकता सितारा है। बस जरूरत है उसकी रोशनी को पहचानने और निखारने की। कार्यक्रम में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया। यूनिसेफ के सहयोग से हुई इस दो–दिवसीय राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लोक नृत्य, गायन, पेंटिंग, कहानी–वाचन, खेल




कौशल सहित कई विधाओं में बच्चों ने दमदार प्रदर्शन किया। लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर, वाराणसी, शाजहांपुर, ललितपुर, मथुरा, देवरिया और फिरोजाबाद के 90 बच्चों को सम्मानित किया गया। इस दौरान अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी, निदेशक संदीप कौर और यूनिसेफ चीफ जकारी एडम सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। परिसर में लगी बच्चों की प्रदर्शनी ने उपस्थित सभी लोगों को चकित कर दिया। टूटे–फूटे सामान से बनाई गई उपयोगी और आकर्षक वस्तुओं ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संदेश दिया। बेबी रानी मौर्य और प्रतिभा शुक्ला ने प्रत्येक कृति को ध्यान से देखकर बच्चों की प्रतिभा की खुलकर प्रशंसा की। कानपुर के स्वरूपनगर स्थित राजकीय बालगृह बालिका यूनिट की प्रदर्शनी ने दर्शकों का विशेष ध्यान खींचा। बालगृह की शिक्षिका सुमन वर्मा ने बताया कि बच्चों को आसानी से देश के स्वतंत्रता सेनानियों का नाम याद कराने के लिए टीवी की तरह बायस्कोप बनाया। इसमें लगे हैंडल को घुमाने पर भगत सिंह, चंद्रशेखर, महात्मा गांधी आदि में से एक की तस्वीर दिखती है। उसके बारे में बच्चे बताते हैं। इसी तरह विभिन्न राज्यों की राजधानियों को याद करने के लिए मॉडल बनाया। एक स्विच को राज्य और दूसरी को राजधानी पर लगाने पर हरी बत्ती जलने लगती है। गलत राजधानी में लगाने पर कोई बत्ती नहीं जलती है। इन नवाचारी प्रयासों से प्रभावित होकर बेबी रानी मौर्य और प्रतिभा शुक्ला ने इन बच्चों को अपने आगामी जिला दौरों में विशेष रूप से सम्मानित करने की घोषणा की।

## राष्ट्रीय एकता दिवस पर भदोही में भव्य यूनिटी मार्च, ए.के. शर्मा ने किया नेतृत्व

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भदोही जनपद में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य यूनिटी मार्च में प्रतिभाग किया। यह आकर्षक मार्च विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर अर्पित लॉन तक अत्यंत उत्साह, उल्लास और देशभक्ति के जोश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में राष्ट्रीय एकता, समरसता और अखंडता के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित करना था।यूनिटी मार्च में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षकों, छात्र–छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर एकजुटता का संदेश दिया। ए.के. शर्मा ने पूरे मार्च के दौरान प्रतिभागियों से संवाद किया और सभी से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए एकता और सद्भाव की भावना को मजबूत बनाने का आह्वान किया।अपने संबोधन में ए.के. शर्मा ने सरदार वल्लभभाई पटेल के असाधारण व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सरदार पटेल की संगठन क्षमता, नेतृत्व कौशल और अदम्य साहस ने पूरे आंदोलन को नई दिशा प्रदान की। स्वतंत्रता के बाद लगभग 565 रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक सूत्र में पिरोना विश्व इतिहास की ऐसी उपलब्धि है, जिसकी मिसाल कहीं और नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि यदि सरदार पटेल न होते तो आज भारत का इतिहास और भूगोल बिल्कुल भिन्न होता। आधुनिक भारत की नींव उनके दृढ़ संकल्प, दूरदृष्टि और राष्ट्रहित सर्वोपरि की सोच से ही संभव हो सकी।

## संक्षिप्त खबरें

### मन में लक्ष्य है तो अवसाद से रहेंगे दूर

लखनऊ, (संवाददाता)। राजकीय इंटर कॉलेज निशातगंज में मंडलीय महीयसी महादेवी वर्मा वाद विवाद प्रतियोगिता बृहस्पतिवार को हुई। इस मौके पर श्र्वर्तमान जीवन प्रणाली व अवसादश्ध विषय पर छात्रों ने प्रतिक्रिया दी। मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश ने छात्रों से कहा कि यदि मन में आपके जीवन का लक्ष्य निर्धारित है तो कभी आप अवसाद में नहीं आ सकते हैं। इसलिए हर छात्र को अपना लक्ष्य ध्यान में रखना चाहिए। इस मौके प्रधानाचार्य सौरभ प्रताप सिंह व उप प्रधानाचार्या डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. आशा पांडेय मौजूद रहीं।

### विज्ञान आधारित है भारतीय ज्ञान परंपरा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह के तहत बृहस्पतिवार को शैक्षणिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन हुआ। डॉ. मंडवी त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का आधार वैज्ञानिक है। डॉ. सतीश चंद्र ने रस सूत्र व मनोभाव पर बात रखी। दोनों वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक आधारशिला, भारतीय गणित की प्राचीन उपलब्धियों और रस सिद्धांत के मनोवैज्ञानिक आयामों पर रोचक ढंग से अपनी बात रखी।विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ला ने संवाद को जीवन विकास का आधार बताया। मौके पर प्रो. एसए रिजवी, प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज, प्रतीक मिश्र आदि मौजूद रहे।

### पौने तीन लाख परीक्षार्थियों के कल जारी होंगे प्रवेश पत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं लखनऊ सहित सीतापुर, रायबरेली, हरदोई और लखीमपुर के केंद्रों पर 25 नवंबर से शुरू हो रही हैं। इसके लिए पौने तीन लाख परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र शनिवार को जारी किए जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के लिए वेबसाइट ृ.सावनदपअ.ब.पद पर जाना होगा। प्रवेश पत्र में त्रुटि है तो सुधार के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। लविवि के प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा से जुड़े अपडेट के लिए विद्यार्थी वेबसाइट देखते रहें। इस बार परीक्षा 290 केंद्रों पर होगी। हर केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। सचल दलों की तैनाती भी रहेगी। इसके अलावा नोडल केंद्रों पर प्रश्नपत्रों को भेजने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी। लविवि से संबद्ध महाविद्यालयों के 24 छात्रों का कहना है कि उनके परीक्षा फॉर्म नहीं भरे जा सके हैं। ऐसे में अगले 24 घंटे के लिए एक बार फिर परीक्षा फॉर्म भरने की अनुमति दी जाए। इस संबंध में छात्र संघ एनएसयूआई के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा।

# 2600 साल बाद भी दुनिया को मोहित कर रही बुद्ध की पवित्र धरती

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर आज भी पूरी दुनिया को उतनी ही गहराई से आकर्षित कर रही है, जितनी 2600 वर्ष पहले करती थी। यह स्थल बौद्ध धर्म के चार प्रमुख पवित्र स्थलों में से एक है, जहाँ भगवान बुद्ध की विश्वविख्यात लेटी हुई प्रतिमा श्रद्धालुओं को अद्भुत आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराती है। सिद्धार्थनगर स्थित पिपरहवा से मिले भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की 127 साल बाद भारत वापसी ने वैश्विक बौद्ध समुदाय में नई आस्था का संचार किया है।मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार कुशीनगर में पर्यटकों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में जनवरी से अक्टूबर तक यहाँ कुल 19,90,931 पर्यटक पहुँचे, जिनमें 17,76,247 घरेलू और 2,14,684 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। यह संख्या दर्शाती है कि कुशीनगर न केवल भारतीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विभाग का अनुमान है कि वर्ष 2025 के अंत तक यह संख्या 25 लाख के पार पहुँच सकती है।बीते वर्ष 2024 में भी कुशीनगर ने पर्यटकों की रिकॉर्ड संख्या दर्ज की थी। कुल 22,42,913 पर्यटक यहाँ आए थे, जिनमें 2,51,251 विदेशी यात्री थे। वर्ष 2017 में जहाँ मात्र 9,37,981 पर्यटक पहुंचे थे, वहीं 2024–25 में यह संख्या दोगुने से अधिक हो गई। मंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग की रणनीतियाँ और सतत प्रयास पर्यटकों की बढ़ती संख्या में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।उत्तर प्रदेश पर्यटन ने पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक मंचों पर बौद्ध सर्किट की प्रभावी प्रस्तुति की है। पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन, जापान टूरिज्म एक्सपो, आईएफटीएम टॉप रेसा और वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट लंदन जैसे मंचों पर उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत को उत्कृष्ट रूप में प्रचारित किया गया। पर्यटन विभाग की 'बोधि यात्रा' ने भी यूपी की वैश्विक छवि को मजबूत किया है।इसके साथ ही पर्यटन विभाग ने थाईलैंड, वियतनाम, मलेशिया, श्रीलंका, भूटान, जापान, लाओस, कंबोडिया, सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे बौद्ध बहुल देशों के भिक्षुओं, मीडिया प्रतिनिधियों और टूर ऑपरेटरों के लिए विशेष 'फैम ट्रिप्स' आयोजित की हैं। इन यात्राओं के माध्यम से कुशीनगर सहित प्रदेश के बौद्ध स्थलों की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्ता को विश्व समुदाय तक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जा रहा है।कुशीनगर में बढ़ती रौनक, पर्यटकों की ऐतिहासिक आमद और वैश्विक मंचों पर न्जजंत च्तंकमी की मजबूत उपस्थिति यह दर्शाती है कि आने वाले वर्षों में यह स्थल विश्व पर्यटन मानचित्र पर और अधिक चमकदार पहचान हासिल करेगा।

## उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में शिक्षा सुधारों पर राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य को गति देने के लिए गुरुवार को योजना भवन में राज्य स्तरीय सम्मेलन "शिक्षा में नवाचार, प्रगति का आधारकृविकसित उत्तर प्रदेशध2047" का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के भविष्य, शिक्षकों की क्षमता वृद्धि, नई तकनीकों के व्यापक उपयोग, मूलभूत सीखने के परिणामों में सुधार और विकसित भारत 2047 के विजन में उत्तर प्रदेश की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई।सम्मेलन में यह स्पष्ट किया गया कि राज्य की शिक्षा प्रणाली में हाल के वर्षों में हुए सुधार अब धरातल पर सकारात्मक परिणाम दिखा रहे हैं। स्मार्ट क्लासरूम, ई–लर्निंग संसाधन, डिजिटल मॉनिटरिंग और ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण जैसे नवाचारों ने शिक्षण की गुणवत्ता और पारदर्शिता को नई दिशा दी है।अपर मुख्य सचिव पार्थसारथी सेन शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश का सपना तभी साकार होगा, जब शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्ता, समान अवसर, नवाचार और जिम्मेदारी के आधार पर पुनर्गठित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का प्रशिक्षण, वैश्विक स्तर की शिक्षण पद्धतियाँ और कोर लर्निंग आउटकम्स में सुधार ही वर्तमान शिक्षा सुधार यात्रा की रीढ़ हैं।महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि तकनीकी हस्तक्षेप, डिजिटल कंटेंट, कौशल–आधारित शिक्षण और वैश्विक अनुभव अब शिक्षा की अपरिहार्य जरूरतें बन चुके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि नवाचार की यह रफ्तार बनी रही, तो उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में देश का अग्रणी शिक्षा मॉडल बनकर उभरेगा।मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी तथा शिक्षा सलाहकार प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि विकसित भारत 2047 का आधार राज्य की युवा शक्ति है, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बिना इस लक्ष्य को प्राप्त करना संभव नहीं। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश सिर्फ सरकारी योजना नहीं, बल्कि समाज और नीति–निर्माताओं का संयुक्त संकल्प है, जिसे पूरा करने के लिए हर स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी है।बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थसारथी सेन शर्मा, महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार प्रो. डीपी सिंह तथा नीति आयोग, भारत सरकार के शिक्षा प्रकोष्ठ में ओएसडी कर्नल जितेंद्र वर्मा ने संयुक्त रूप से किया।इस सम्मेलन की खास बात यह रही।

## संक्षिप्त खबरें

### मंत्री के सामने बच्चों ने गाए गीत

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री बेबी रानी मौर्या ने बृहस्पतिवार को रामचौरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्र में संचालित गतिविधियों और बच्चों व माताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान बच्चों ने गीत, खेल व निशानेबाजी जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

तीन बच्चों को विदाई प्रमाणपत्र दिए गए। महिलाओं और बच्चों की समस्याएं सुनने के साथ समाधान के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मंत्री ने गोद भराई और अन्नप्राशन की औपचारिकताएं पूरी कीं। लाभार्थियों को हॉट कुक मील वितरित किया गया।

### कॉल्विन ताल्लुकेदार्स और एसआर ग्लोबल फाइनल में

लखनऊ, (संवाददाता)। 16वीं कुंवर मुनीन्द्र सिंह मेमोरियल इंटर स्कूल टूर्नामेंट में मेजबान कॉल्विन ताल्लुकेदार्स कॉलेज ने मार्डर्न स्कूल को छह विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला एसआर ग्लोबल से होगा। एसआर ग्लोबल ने सीएमएस चौक को दूसरे सेमीफाइनल में आठ विकेट से पराजित किया। कॉल्विन कॉलेज मैदान पर खेले गए सेमीफाइनल में मार्डर्न स्कूल ने सभी विकेट खोकर 48 रन बनाए। कुशाग्र पांडेय ने सबसे अधिक 18 रन बनाए। कॉल्विन के ऋषभ यादव ने छह विकेट चटकाए। जवाब में कॉल्विन ने जीत के लिये जरूरी लक्ष्य चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। कृष ने नाबाद 17 रन बनाए। एक अन्य सेमीफाइनल में सीएमएस चौक ने सभी विकेट खोकर 81 रन बनाये। सकलैन ने नाबाद 23 रनों की पारी खेली। जवाब में एसआर ग्लोबल ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। विजेता टीम से कुमार अभिनव ने नाबाद 46 रन बनाए।

### पोस्टर प्रतियोगिता व कविता पाठ में दिखाई प्रतिभा

लखनऊ, (संवाददाता)। खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज में अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिता का बृहस्पतिवार को आगाज हुआ। रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, फेस पेंटिंग, सोलो सॉन्ग और कविता पाठ हुआ। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अंशु केडिया ने बताया कि दो दिवसीय प्रतियोगिताओं का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया जाएगा। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक बाजपेई ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिताओं में नवयुग महाविद्यालय, गुरु नानक डिग्री कॉलेज, कालीचरण डिग्री कॉलेज, अटल बिहारी बाजपेयी डिग्री कॉलेज, जय नारायण पीजी कॉलेज, आईटी कॉलेज, करामत डिग्री कॉलेज के विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। मौके पर राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री मौजूद रहे।

# सहकारिता सप्ताह समापन पर प्रदेश में सहकारी सशक्तिकरण का नया रोडमैप प्रस्तुत

लखनऊ, (संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 और 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर लखनऊ स्थित सहकारिता भवन के सभागार में उत्तर प्रदेश सहकारी यूनियन लिमिटेड और उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय भव्य गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय सहकार नीति, भारत की सहकारिता के लिए संरचित रोडमैप, और युवाओं, महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को सहकारी उद्यमिता के माध्यम से सशक्त बनाने की संभावनाओं पर विस्तृत विमर्श करना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर सहित सहकारिता क्षेत्र से जुड़े शीर्ष प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सहकारिता यूनियन और निर्माण सहकारी संघ के अध्यक्षों, आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता योगेश कुमार, तथा दोनों संस्थानों के प्रबंध निदेशकों ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।अपने संबोधन में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारी क्षेत्र ने अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव बैंक और जिला सहकारी बैंक आज लाभ में कार्य कर रहे हैं और सहकारी संस्थाओं की पूंजी संग्रहण क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने सहकारिता की भूमिका को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि खाद वितरण, पीडीएस, खरीद प्रक्रियाओं, पेट्रोल पंप संचालन और अन्य आर्थिक गतिविधियों में सहकारिता की भागीदारी आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि 2017 से पहले सहकारिता विभाग की स्थिति बेहद खराब थी, लेकिन वर्तमान सरकार के प्रयासों से सहकारी समितियों के 50 लाख सदस्यों द्वारा 500 करोड़ रुपये की राशि एकत्र करना किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि सहकारिता की बढ़ती साख से बैंकों की आर्थिक स्थिति अधिक मजबूत हुई है और यह परिवर्तन प्रदेश की व्यापक प्रगति का संकेत है।राज्यमंत्री जे.पी.एस. राठौर ने कहा कि सहकारिता जनविश्वास की मजबूत नींव है और प्रदेश में सहकारी समितियों ने वित्तीय सुदृढ़ीकरण, गोदामों के आधुनिकीकरण, कंप्यूटरीकरण और डिजिटल खाद वितरण जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 50 लाख से अधिक नए सदस्य सहकारिता से जुड़े हैं और किसानों द्वारा सहकारी बैंकों में 650 करोड़ की जमा राशि उनके बढ़ते विश्वास का प्रमाण है उन्होंने बी–पैक्स सदस्यता अभियान की सफलता का उल्लेख करते हुए बताया कि दो चरणों में करीब 52 लाख नए सदस्य जुड़े हैं और 111 करोड़ रुपये से अधिक का शेयर कैपिटल प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सहकारिता जनांदोलन प्रदेश में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है।गोष्ठी में एम–पैक्स की नई गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बताया गया कि 161 एम–पैक्स जन औषधि केंद्र, 6515 एम–पैक्स प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र और 5198 एम–पैक्स जन सुविधा केंद्र के रूप में सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं तथा डिजिटल लेनदेन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार ने जानकारी दी कि प्रदेश की 969 सहकारी समितियों में यूपीआई क्यूआर कोड लागू कर दिया गया है और शेष समितियों को शीघ्र ही यह सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे पारदर्शिता और सुचिता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि आगामी वर्षों में सभी सहकारी समितियों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य है।कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ प्रो. क्षितिज अवस्थी ने राष्ट्रीय सहकार नीति के पांच प्रमुख स्तंभों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, जबकि प्रो. अर्पणा सेंगर ने महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों को सहकारी उद्यमिता से जोड़ने तथा पारंपरिक कारीगरों के उत्थान पर अपने विचार साझा किए।

# विश्व बाल दिवस पर 'तरंग' कार्यक्रम का भव्य समापन

लखनऊ, (संवाददाता)। विश्व बाल दिवस (20 नवम्बर) के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित दो–दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम 'तरंग' का गरिमामयी समापन गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में हुआ। यह आयोजन प्रदेश के बच्चों, उनके बचपन, उनकी प्रतिभा और उनके अधिकारों के सम्मान एवं संवर्धन को समर्पित रहा।समारोह में कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य और राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर बच्चों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी, निदेशक संदीप कौर, तथा यूनिसेफ चीफ जकारी एडम्स सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।दो दिनों तक चले इस कार्यक्रम में प्रदेश भर के राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं से आए बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 19 नवम्बर को लखनऊ स्थित लिटरेसी हाउस में नृत्य, संगीत, पेंटिंग, कला,



स्टोरी–टेलिंग, खेल और अन्य रचनात्मक गतिविधियों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने अपनी ऊर्जा, उमंग और कौशल से सभी को प्रभावित किया।20 नवम्बर को विश्व बाल दिवस पर आयोजित समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम बच्चों की रचनात्मकता और प्रतिभा का उत्सव भर नहीं था, बल्कि उन देखभालकर्ताओं और सहयोगी स्टाफ के समर्पण को सम्मानित करने का अवसर भी था, जो निरंतर बाल देखभाल संस्थानों में बच्चों की सुरक्षा और विकास के लिए कार्यरत रहते हैं।समारोह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बच्चों को "झिलमिलाते नन्हे सितारे" बताते हुए कहा कि हर बच्चा अपने भीतर असंख्य संभावनाएँ लेकर चलता है और "तरंग" कार्यक्रम बच्चों की ऊर्जा, उत्साह और संवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों को बड़े सपने देखने और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने "तरंग" को बच्चों की सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला उत्कृष्ट मंच बताया। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि बाल गृहों द्वारा लगाए गए क्रिएटिव स्टॉल बच्चों की अद्भुत क्षमता को दर्शाते हैं।अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी ने कहा कि 10 नवम्बर से संचालित जिले स्तर के बाल कार्यक्रमों ने बच्चों को अभिव्यक्ति और सीखने के नए अवसर दिए हैं और "तरंग" उसी श्रृंखला का राज्य स्तरीय उत्सव है। उन्होंने बच्चों की उन्नति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।यूनिसेफ के चीफ जकारी एडम्स ने विश्व बाल दिवस के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाल अधिकारों के संरक्षण का संकल्प इसी दिन लिया गया था। उन्होंने कहा कि जब बच्चे सुरक्षित और प्रोत्साहनपूर्ण वातावरण में विकसित होते हैं, तब समाज और राष्ट्र भी उन्नति करता है।दो–दिवसीय "तरंग" आयोजन ने न केवल बच्चों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता को नई उड़ान दी, बल्कि बाल अधिकारों की महत्ता, संरक्षण और संवर्धन के प्रति समाज में सकारात्मक संदेश भी प्रसारित किया। यह कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा, उनके अधिकारों और उज्ज्वल भविष्य के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए संपन्न हुआ।

## कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने किया रामचौरा आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनी नगर स्थित रामचौरा आंगनवाड़ी केंद्र में गुरुवार को महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने औचक निरीक्षण किया। उनके साथ अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी, आईसीडीएस निदेशक सरनीत कौर ब्रोका, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रेयश कुमार सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री के पहुंचने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और स्थानीय समुदाय ने उनका स्वागत किया।निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अभिभावकदृआंगनवाड़ी बैठक की गतिविधियों का अवलोकन किया, जहां अभिभावकों की सहभागिता और बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को प्रस्तुत किया गया।

बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया और निशाना खेल जैसी मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लिया। 'चमकते बच्चे' कार्यक्रम के तहत उनकी प्रतिभा और प्रगति के आधार पर सम्मान भी दिया गया।

## केसरीखेड़ा फ्लाईओवर पर नाली बनने से रोका, प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। केसरीखेड़ा के फ्लाईओवर पर बारिश के पानी की निकासी के लिए दोनों तरफ बन रहीं नालियों के ढाल को लेकर पार्षद और उनके समर्थकों ने विवाद करते हुए बृहस्पतिवार दोपहर प्रदर्शन करते हुए काम रुकवा दिया। उधर, सेतु निगम का कहना है कि पार्षद नाले को उनसे बनवाना चाह रहा है, जिसे नगर निगम को बनाना चाहिए। इस सिलसिले में शुक्रवार को दोनों पक्षों में बातचीत होगी। पार्षद देवेंद्र सिंह यादव का कहना है कि केसरीखेड़ा में सेतु निगम की ओर से बनाए जा रहे पुल के किनारों पर जल निकासी के लिए आधा–अधूरा नाला बनाया जा रहा है। जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। इसके विरोध में पार्षद के साथ प्रवीण सिंह, रोहित यादव, प्रदीप यादव, प्रिंस यादव ने प्रदर्शन किया।

## कर्म से निर्धारित होते हैं सुख और दुख

लखनऊ, (संवाददाता)। राजाजीपुरम स्थित बाबा की बगिया में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन बृहस्पतिवार को कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। कथावाचक साध्वी वैष्णवी भारती ने कहा कि धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु ने गोपाल का रूप धारण किया था और गायों की रक्षा की। इसके जरिये उन्होंने गाय का महत्व समझाया। मनुष्य के सुख और दुख का निर्धारण उसके कर्मों से होता है। खेत में अगर कांटे रोपोगे तो फूल की फसल काटने को नहीं मिलेगी। इसलिए कर्म हमेशा अच्छे करने चाहिए। कर्म का चक्र घूमता जरूर है किसी के दुखी से खुश होगे तो एक दिन आपके दुख पर कोई हंसेगा। जिस जगह पर आज आप हो उस जगह पर कल कोई और होगा। इसलिए कभी घमंड नहीं करना चाहिए।

# तय समय सीमा समाप्त होने के बाद भी नहीं हो सका विद्यालयों का सत्यापन

**सभी तहसीलों से रिपोर्ट आने के बाद इसे परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा – जिला विद्यालय निरीक्षक**

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए केंद्र बनाए जाने वाले विद्यालयों के भौतिक सत्यापन का काम तय समय सीमा में पूरा नहीं हो पाया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित 17 नवंबर की अंतिम तिथि बीत जाने के बाद भी अभी तक 150 विद्यालयों का सत्यापन लंबित है।

जिले में कुल 661 विद्यालयों का सत्यापन किया जाना है। इसके लिए सभी छह तहसीलों में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के नेतृत्व में समितियों का गठन किया गया है, जो विद्यालयों का भौतिक सत्यापन कर रही हैं।

अब तक इन समितियों ने 511 विद्यालयों का सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट जिला विद्यालय निरीक्षक को भेज दी है। हालांकि, अभी भी 150 विद्यालयों का सत्यापन होना बाकी है।

समितियों को 17 नवंबर तक सभी विद्यालयों का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट जिला स्तरीय समिति को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। तय तिथि बीत जाने के बावजूद बुधवार तक केवल 511 विद्यालयों की सत्यापन रिपोर्ट ही मिल पाई।

इन सत्यापित विद्यालयों का विवरण परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

परिषद की वेबसाइट पर सभी सत्यापित विद्यालयों का विवरण 24 नवंबर तक अपलोड किया जाना है। इस मामले में शनिवार को जानकारी लेने पर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) राकेश कुमार ने बताया कि समितियों को 17 नवंबर तक रिपोर्ट देने का निर्देश था, लेकिन समय बीतने के बाद भी सत्यापन कार्य पूरा नहीं हो पाया है। सभी तहसीलों से रिपोर्ट आने के बाद इसे परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

## चारित्रिक आरोप लगाकर पति ने पत्नी को मारपीट कर किया घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के वसीरपुर गांव में शुक्रवार की रात को एक 32 वर्षीय महिला को उसके पति ने चारित्रिक आरोप लगाकर जमकर मारा पीटा। मारपीट में महिला को काफी चोट आयी। पुलिस ने उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भिजवाया।

ऊक्त गांव निवासी सोनम निषाद का पति अरुण निषाद रोजी रोटी के लिए मुंबई में रहता है। वह गुरुवार को मुंबई से घर वापस आया।उसने आने के बाद से ही पत्नी के चाल चरित्र पर शक करते हुए गाली गलौज करते हुए मारने पीटने लगा।वह पत्नी को जब शुक्रवार को दिन से रात तक कई बार मारा पीटा।मारपीट में सोनम के सिर तथा चेहरे पर काफी चोट आयी।उसके बाद सोनम ने घटना की जानकारी पुलिस को दिया।सूचना पाकर थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने चौकी प्रभारी राधेश्याम सिंह को मै फोर्स मौके पर भेजा।पुलिस को देखकर पति भाग गया। पुलिस ने महिला को उपचार के लिए भिजवाया। चौकी प्रभारी राधेश्याम सिंह ने बताया कि महिला ने अभी पति के विरुध्द तहरीर नही दिया है।

## संक्षिप्त खबरें

### तेज रफ्तार कार के टक्कर में बाइक सवार सफाईकर्मी की मौत, दूसरा घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के जौनपुर– केराकत राजमार्ग पर किरतापुर उसरहिया गांव के पास शुक्रवार की रात को एक तेज रफ्तार अज्ञात कार के टक्कर से बाइक सवार सफाई कर्मी की मौत हो गई तथा बॉइक पर पीछे बैठा उसका मित्र घायल हो गया।

करमही गांव का जितेंद्र यादव पुत्र तेजबहादुर गांव के ही अपने मित्र अजय प्रजापति के साथ बाइक से किसी बारात में गया हुआ था।वहां जितेंद्र अपने मित्र के साथ वापस घर लौट रहा था। जैसे ही बाइक ऊक्त गांव के पास पहुचा तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने टक्कर मार दिया। घटना में बाइक चला रहे जितेंद्र यादव (35 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वही पीछे बैठा अजय प्रजापति (26 वर्ष) घायल हो गया।घटना के आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर आ गए। टक्कर मारने वाला कार चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगो ने पुलिस को सूचना दिया।थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल मौके पर पहुंच गए।जानकारी होने पर मृतक तथा घायल युवक के परिजन भी आ गए। पुलिस ने घायल अजय प्रजापति को इलाज के लिए जिलाअस्पताल भिजवाया। वही जितेंद्र यादव के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बता दें कि मृतक जितेंद्र यादव धर्मापुर ब्लॉक क्षेत्र के रायपुर गांव में सफाई कर्मी पद पर कार्यरत था। मृतक की पत्नी सोनी यादव रोते बिलखते बेसुध हो जा रही है।

### युवक का सिर फोड़ने के मामले में दरोगा लाइन हाजिर

अयोध्या। एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने युवक का सिर फोड़ने के मामले में थाना पूरा कलंदर मे तैनात दरोगा केसी यादव को लाइन हाजिर कर दिया। बताते चले कि 19 नवम्बर को पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू के पद यात्रा में जाने के दौरान बुलेट सवार पीडित दुर्गेश विश्वकर्मा निवासी जमूरतगंज थाना पूरा कलंदर को रोककर कागज चेक करने एवं कहासुनी में दरोगा के सी यादव पर लाठी मारकर सिर फोड़ने का आरोप लगा था।जिसको लेकर दरोगा के खिलाफ पूराकलन्दर थाने पर तहरीर पड़ी थी। इस घटना को संज्ञान लेते हुए दरोगा के सी यादव को लाइन हाजिर किया।

# सरकारी पिस्टल लूटकांड में चार आरोपी गिरफ्तार, बोलेरो समेत असलहे–कारतूस बरामद

सुलतानपुर। हलियापुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सरकारी पिस्टल लूटकांड में वांछित चल रहे चार आरोपियों को धर–दबोचा। उनके कब्जे से लूटी गई सरकारी पिस्टल मय मैगजीन, 10 कारतूस, दो मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त एक धारदार हथियार (गड़ासी), एक डंडा तथा बोलेरो वाहन को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में शिवम सिंह, अखिलेश सिंह उर्फ अखिल, प्रमिला सिंह और शिवानी सिंह, सभी निवासी ग्राम डोभियारा थाना हलियापुर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई के उपरांत अदालत में पेश किया। गिरफ्तारी के दौरान ही लूटी थी सरकारी पिस्टल।बता दें कि थाना कुमारगंज जनपद अयोध्या पुलिस वांछित आरोपी आदर्श सिंह की गिरफ्तारी के लिए डोभियारा गांव में दबिश देने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया था।

हमले में पुलिस को चोटें आई थीं तथा दारोगा आकिल हुसैन की सरकारी पिस्टल, सरकारी मोबाइल और निजी मोबाइल छीनकर आरोपी आदर्श सिंह को छुड़ाकर भाग निकले थे।पुलिस के अनुसार फरार चल रहे आरोपी आदर्श सिंह की गिरफ्तारी के लिए दबिशें जारी हैं।इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष तरुण कुमार पटेल सहित उपनिरीक्षक कैलाश सिंह यादव, उपनिरीक्षक रामधनी वर्मा, उपनिरीक्षक भगौती प्रसाद, हेड कांस्टेबल बृजेन्द्र पाल सिंह, कांस्टेबल शीलू राठौर, दीपक साह व महिला कांस्टेबल संध्या शाक्य शामिल रहे।

# बूथवार प्रगति की निरंतर समीक्षा सुनिश्चित की जाए – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के द्वारा शनिवार को खंड विकास अधिकारी सिकरारा के कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में हो रहे कार्यों की प्रगति का विस्तारपूर्वक समीक्षा किया। जिलाधिकारी ने गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की गहन समीक्षा की। डिजिटलाइजेशन के दौरान उत्पन्न होने वाली तकनीकी व कार्यगत समस्याओं को तत्काल संज्ञान में लेते हुए उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि बूथवार प्रगति की निरंतर समीक्षा सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जिन बूथों पर कल कार्य अपेक्षा के अनुरूप संतोषजनक नहीं पाया गया था, वहाँ की प्रगति में आज सुधार अवश्य दिखना चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि प्रतिदिन प्रत्येक बूथ पर सक्रिय रूप से कार्य किया जाए, जिससे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्य की प्रगति में तेजी लाई जा सके। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि गणना प्रपत्र वितरण एवं फीडिंग के कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पादित किए जाय।इस दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं बीएलओ से दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर गणना प्रपत्र के वितरण और संग्रहण की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली।

## संक्षिप्त खबरें

### जमीन विवादों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करे – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जनपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों द्वारा आमजनमानस की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने थाना पवारा पहुंचकर लोगों की शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया।इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष भूमि पर अवैध कब्जा, आपसी विवाद, मार्ग विवाद, पैमाइश संबंधी शिकायतें सहित विभिन्न प्रकरण प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जमीन विवादों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अपनी समस्या के समाधान हेतु अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इस अवसर पर पुलिस विभाग के आधिकारी, सहित अन्य उपस्थित रहे।

### यातायात नियम केवल पुलिस का भय नहीं, बल्कि सुरक्षित जीवन की गारंटी हैं – आयुष श्रीवास्तव एसपी सिटी

ब्यूरो प्रमुख /विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बी.आर.पी. इंटर कॉलेज में शुक्रवार को यातायात नियमों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाए जाने के तहत इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र–छात्राओं और आम जनता को सुरक्षित यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं को कम करना था। कार्यक्रम में एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कॉलेज के छात्र–छात्राओं को यातायात नियमों के महत्व के बारे में विस्तार से संबोधित किया। श्री श्रीवास्तव ने दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने को जीवन रक्षक बताया। उन्होंने छात्रों को नियंत्रित गति से वाहन चलाने और तेज रफ्तार से बचने की सलाह दी। उन्होंने नशे की हालत में वाहन चलाने के खतरों और इसके कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, सड़क पार करने के लिए जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने और यातायात सिग्नलों का कड़ाई से पालन करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा, ष्यातायात नियम केवल पुलिस का भय नहीं, बल्कि सुरक्षित जीवन की गारंटी हैं। युवा पीढ़ी को इन नियमों का पालन कर समाज में एक सकारात्मक संदेश देना चाहिए। इस अवसर पर बी.आर.पी. इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, समस्त अध्यापकगण और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने यातायात सुरक्षा को लेकर शपथ ली और इसे अपने दैनिक जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

# सामाजिक न्याय, शिक्षा और स्वास्थ के साथ साथ सेना का सम्मान बढ़ाने वाले नेता थे मुलायम सिंह यादव - राकेश मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक, संरक्षक, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रक्षा मंत्री भारत सरकार, पदम विभूषण, धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में धरतीपुत्र दिवस के रूप में शनिवार को पार्टी कार्यालय पर समारोह पूर्वक मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया तथा उनके संघर्षों, बलिदानों को याद करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लिया। गोष्ठी का संचालन कर रहे जिला महासचिव आरिफ हबीब ने श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव जी के जीवन दर्शन के विषय में बताया। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे हैं जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि 22 नवंबर 1939 को इटावा के ग्राम सैफई में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव अपने संघर्षों और समाजवादी विचारधारा के कारण असाधारण व्यक्तित्व के प्रतीक रहे। उन्होंने सदैव सामाजिक न्याय, शिक्षा और स्वास्थ के प्रति उनकी सोच और उद्देश्य को जमीन पर साकार किया। नेताजी मुलायम सिंह यादव तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, भारत के रक्षा मंत्री रहे तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी, डॉ राममनोहर लोहिया जी एवं संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी से प्रभावित होकर समाजवादी पार्टी का गठन किया। आज समाजवादी पार्टी देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी का स्थान रखती है ये नेताजी मुलायम सिंह यादव जी का ही आशीर्वाद है। नेताजी मुलायम सिंह यादव की जीवन गाथा संघर्ष, सरलता एवं जनसेवा की अनूठी मिसाल है जो उन्हें युग पुरुष बनाती है।आज उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हैं श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। गोष्ठी को पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह,प्रांतीय सदस्य दीपचंद राम , पूर्व प्रमुख रमापति यादव, जिला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल, उमाशंकर पाल, सुरेश यादव, नेपाल यादव, जिला सचिव कमलेश यादव, राहुल त्रिपाठी, विधानसभा अध्यक्ष सदर वीरेंद्र यादव, पूनम मौर्य, ऊषा जायसवाल, लाल मोहम्मद राईनी, डॉ शबनम नाज, हरिश्चंद प्रभाकर, बरसातू राम सरोज, दिलीप प्रजापति, आदि ने संबोधित करते हुए नेताजी मुलायम सिंह यादव जी के पदचिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लिया तथा श्रद्धांजलि अर्पित किया। गोष्ठी में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता रूखसार अहमद, पूर्व प्रदेश सचिव कलीम अहमद, जिला कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव सुशील दुबे, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव टाइगर, जिला सचिव गुलाब यादव रीठी, रमेश साहनी निजामुद्दीन अंसारी, कमाल आजमी, संजीव साहू, आनंद गुप्ता, कमालुद्दीन अंसारी, धर्मेंद्र सोनकर, धीरज बिंद, चंद्रजीत राम, अरविंद यादव,ताज मोहम्मद, मुकुल यादव, दिनेश यादव फौजी, अनुज दुबे, पूनम यादव, पिंकी गुप्ता, मोहम्मद आलिम, विनोद यादव सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे।

# संदिग्ध हालात में युवती का शव मिला, जांच में जुटी पुलिस

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिले के पचदेवरा थाना क्षेत्र स्थित अनंगपुर–शाहाबाद मार्ग पर शनिवार को एक युवती की लाश मिली। सूचना पाकर अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आलोक राज नारायण

पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एएसपी आलोक राज नारायण ने बताया कि, अनंगपुर–शाहाबाद मार्ग पर शनिवार को एक युवती का शव मिलने की जानकारी पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल की जांच की। शव के मुंह, आंख और शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोटों के निशान मिले, जबकि कपड़े भी बुरी तरह फटे थे, जो घटना को संदिग्ध बना रहा है। मृतका की उम्र (25) वर्ष है, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि युवती की मौत संभवतः सड़क दुर्घटना में हुई होगी। हालांकि, घटनास्थल की स्थिति और शव पर मौजूद गहरे घाव कई सवाल खड़े कर रहे हैं। वहीं, ग्रामीणों ने दुर्घटना की थ्योरी को खारिज करते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि युवती स्थानीय नहीं लग रही है और आसपास के किसी भी गांव से उसके लापता होने की कोई सूचना नहीं है। एएसपी ने बताया कि पुलिस ने मौके का गहन निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। मामले की जांच सभी संभावित एंगल से की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

# जौनपुर में सिर्फ कागजों पर चलता मिला नशे की दवाओं का गोरखधंधा

**–अकेले जौनपुर में 12 फर्जी फर्मों हुआ साढ़े 42 करोड़ का कारोबार।**
**–रांची की फर्म शैली ट्रेडर्स से जिले में बेंच डाले कोडियनयुक्त कफ सिरप ।**

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूर्वी यूपी के जनपद जौनपुर में 12 फर्जी फर्मों के माध्यम से साढ़े 42 करोड़ के नकली और नशीली दवा के कारोबारियों के तार अंतरराष्ट्रीय गैंग से जुड़े होने के खुलासे के बाद से इस गिरोह से जुड़े लोगों में जबरदस्त हड़कंप मचा है। जौनपुर के जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय के निर्देशन में पिछले एक सप्ताह से की गई जबरदस्त छापेमारी और सघन जांच पड़ताल के बाद से यह भी खुलासा हो गया कि रांची की फर्म शैली ट्रेडर्स ने अकेले सिर्फ जौनपुर जैसे इस छोटे से शहर में करीब 19 लाख के नशीले कफ सिरप की बोतलों की सप्लाई बेहद ही गोपनीय तरीके से जालसाजी करके अवैध तरीके से अन्य प्राज्यो में खपा दिया। इस पूरे खेल में जौनपुर के पूर्वांचल ट्रेडर्स के साथ 11 दवा कारोबारी का नाम पूरी तरह से जुड़ गया। जिन्होंने वाराणसी के शुभम जायसवाल के फर्म के माध्यम से इस गोरखधंधे को अंजाम दिया। पिछले एक पखवाड़े से चली सघन जांच पड़ताल के बाद सभी 12 फर्मों की संलिप्तता पूरी तरह से सामने आ चुकी है। इस संबंध में जिला औषधि निरीक्षक श्री पांडेय ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि रांची की फर्म शैली ट्रेडर्स से वाराणसी और जौनपुर की फर्म के फर्जी कागजातों के आधार पर इस नशीले कफ सिरप की करीब 19 लाख बोतलों की सप्लाई किया है। इन्हें खपाने में जौनपुर की 12 फर्मो का नाम पूरी तरह से सामने आ चुका है। कुछ अन्य फर्म अभी भी जांच के दायरे में हैं। इन फर्मों की संलिप्तता भी पूरी तरह से सामने आएगी। फिलहाल मामला जो भी हो लेकिन प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की कोडीनयुक्त कफ सिरप व नारकोटिक श्रेणी की दवाओं की जांच के लिए चलाए जा रहे अभियान में जौनपुर के जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय की टीम ने जिस प्रकार चौंकाने वाले खुलासे किये हैं। उससे प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों की भी प्रशंसा हो रही है। और भी कई फर्म में जांच के दायरे में जौनपुर जैसे इस शहर में पहली बार इतने बड़े फर्जीवाड़े और नशे की दवा के कारोबारियों का खुलासा हुआ है। क्योंकि जो 5–फर्में अस्तित्व में ही नहीं हैं, उनसे अकेले जौनपुर जिले में 42,45 करोड़ का कारोबार हो रहा है। नकली और नशीली दवाओं का यह गैंग अंतर्राज्यीय स्तर पर कारोबार कर रहा है। ये टैक्स की चोरी करके सरकारी खजाने को भी चूना लगा रहे हैं। जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय ने बताया कि इन सभी फार्मो के खिलाफ नगर कोतवाली में प्रार्थना पत्र दे दिया गया है शीघ्र ही गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हो जाएगा। इसके बाद और भी कई फर्मे जांच के दायरे में आयेंगे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।